भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 289
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 05 फरवरी, 2024
16 माघ, 1945 (शक)

स्मारकों के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर व्यय की गई निधि

289. श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आज कि तिथि के अनुसार झारखंड में संरक्षित स्मारकों का स्मारक और स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान उक्त स्मारकों के रख-रखाव/संरक्षण और जीर्णोद्धार पर सरकार द्वारा खर्च की गई निधियों का स्मारक-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की संरक्षित स्मारकों की सूची में शाहपुर किला जैसे झारखंड के और स्मारकों को शामिल करने की योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): झारखंड राज्य में राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित 13 प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल हैं। ब्यौरा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की वेबसाइट https: asi.nic.in पर दिया गया है।

(ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान इन स्मारकों तथा स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण पर किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

वर्ष	व्यय (करोड़ रूपए में)
2018-19	0.86
2019-20	1.60
2020-21	0.88
2021-22	1.16
2022-23	2.00

(ग) और (घ): दोइसा नगर, जिला गुमला, झारखंड में स्थित ''टेराकोटा ईट मंदिर'' नामक एक स्मारक को राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में घोषित किए जाने के लिए चिन्हित किया गया है। तथापि, शाहपुर किला राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों की सूची में नहीं है।

*****